



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor **Lt. Arjun Raksheshbhai Rathod**

Donated His: Heart, Kidney & Liver

Date:- 11/11/2022

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

डोनेट लाइफ ने सूरत से 42वां दिल दान किए

सूरत के युवक का दिल सुरेंद्रनगर के मुस्लिम युवक में धड़क उठा

अर्जुन राकेशभाई राठौड़ के परिवार ने ब्रेन डेड अर्जुन का हृदय, गुर्दा और कलेजा डोनेट लाइफ के माध्यम से दान कर चार व्यक्तियों को नया जीवन देते हुए, मानवता की सुगंध फैलाई और समाज को एक नई दिशा दिखाई



अतुल्य हिन्दुस्तान संवाददाता

सूरत। नया फलिया, कठोर, सूरत निवासी अर्जुन के साथन रोड शेखपुर स्थित एक कपड़ा इकाई में काम करता था। मंगलवार आठ नवंबर को रात साढ़े नौ बजे अर्जुन अपने दोस्त के साथ बाइक से अपने घर आ रहे थे, तभी कठोर गांव के गर्ल्स हॉस्टल के सामने उनकी एक अज्ञात बाहन चालक से टक्कर हुई और सिर में गंभीर चोट लगने से वे गिरकर बेहोश हो गए। परिजन ने तुरंत न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज में सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया। निदान के लिए एक सीटी स्कैन किया गया था और यह पता चला था कि मस्तिष्क की गंभीर चोटों के कारण मस्तिष्क की नस फट गई थी। 10 नवंबर

को न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हीना फल्टू, इंटर्सिविस्ट डॉ. आशा पारेख, डॉ. दर्शन त्रिवेदी और चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने अर्जुन को ब्रॉडेड घोषित किया।

अप्रैल 2021 में बिजली का करंट लगने से अर्जुन के पिता की दर्दनाक मौत हो गई। उनके परिवार में पीपी सबानी स्कूल में ब्लीनर का काम करने वाली मां पुष्पाबेन, भाई करण और अन्य शासित हैं। और एक अन्य भाई सुनील 10वीं कक्ष में कठोर के बंदे गलियरी हाई स्कूल में पढ़ती है। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष नीलेश से संपर्क कर अर्जुन के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। अस्पताल पहुंची

डोनेट लाइफ की टीम डॉ. मेहुल पांचाल अर्जुन की मां पुष्पाबेन, भाई करण, चाचा मनोजभाई के साथ रहे और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की पूरी प्रक्रिया और इसके महत्व के बारे में बताया। जिसके बाद अर्जुन राकेशभाई राठौड़ के परिवार ने ब्रेन डेड अर्जुन का हृदय, गुर्दा और कलेजा डोनेट लाइफ के माध्यम से दान कर चार व्यक्तियों को नया जीवन देते हुए, मानवता की सुगंध फैलाई और समाज को एक नई दिशा दिखाई।

अंगदान के लिए परिवार की सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गन एंड ट्रिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (SOTTO) से संपर्क किया गया। SOTTO ने दिल को सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद को किडनी और लीवर को किरण पहुंचाया जा सके।

अस्पताल, सूरत को आवंटित किया। अहमदाबाद सिम्स अस्पताल के डॉ. किशोर गुप्ता, डॉ. विपुल अहीर, डॉ. चिंतन सेठ, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर सुनील अग्रवाल, आकाश और उनकी टीम ने किरण अस्पताल से ऐसे हृदयदान, लीवर और किडनी दान को स्वीकार किया। धर्मेश धानानी, डॉ. रवि मोहनका, डॉ. प्रशांत राव, डॉ. मितुल शाह, डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. जिम्मेश घेवरिया, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहीर, डॉ. मिथुन केणन, डॉ. विमल करणाथा, डॉ. आनंद पास्तागिया और उनकी टीम ने स्वीकार किया। अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में सुरेनगर में रहने वाले 22 वर्षीय मुस्लिम युवक का डोनेशन के तौर पर मिला हाईट्रांसप्लांट किया गया। धीरेन शाह, डॉ. धबल नायक और उनकी टीम ने कार्य किया। दान की गई एक किडनी सूरत निवासी 40 वर्षीय व्यक्ति में, दूसरी किडनी सूरत निवासी 46 वर्षीय व्यक्ति में और राजकोट निवासी 64 वर्षीय किरण अस्पताल में लीवर प्रत्यारोपण किया गया। सूरत के किरण अस्पताल से हवाई अड्डे तक के मार्ग को सूरत सिटी पुलिस के सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया ताकि चार्टर्ड विमान से हृदय को अहमदाबाद पहुंचाया जा सके।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ब्रेनडेड युवक के अंगदान ने दिया चार लोगों को नया जीवन

धृक्ते हुए दिल का 90 मिनट में 273 किमी दूर अहमदाबाद में प्रत्यारोपण, किडनी और लीवर के दान से मानवता महकी

लोकतेज संवाददाता

सूरत। बस्त्र और हीरे ही नहीं, सूरत अब अंगदान शहर के रूप में जाना जाने लगा है। अब तक सूरत से 42 दिल दान किए गए। सूरत के एक 19 वर्षीय युवक को ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद परिवार के सदस्यों ने उसके अंगदान की मंजुरी देने पर चार लोगों को नया जीवन देने के लिए उसका दिल, किडनी और लीवर दान कर दिया गया है। 19 साल के अर्जुन राकेशभाई राठोर का हृदय सूरत से अहमदाबाद तक 90 मिनट में 273 किमी की दूरी तय करके सुरेंद्रनगर के 22 वर्षीय मुस्लिम युवक को प्रत्यारोपित किया गया।

अर्जुन को दुर्घटना से ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था—सूरत के निकट कठोर के नवु फलियु निवासी अर्जुन सयन रोड शेखपुर में स्थित एक कपड़ा इकाई में काम करता था। मंगलवार आठ नवंबर को अर्जुन अपने दोस्त के साथ बाइक पर कठोर से अपने घर आ रहा था। फिर रात 9.30 बजे कठोर गांव के बालिका छात्रावास के सामने अज्ञात बाहन चालक के साथ दुर्घटना में वह नीचे गिर गया और सिर में गंभीर चोट लगाने से बेहोश हो गया। परिजन ने तुरंत न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज में सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया। निदान के लिए एक सीटी स्कैन किया गया था और यह पता चला था



कि मस्तिष्क की गंभीर चोटों के कारण मस्तिष्क की नस फट गई थी।

करंट लगाने से पिता की मौत हुई थी— डॉ. मेहल पांचाल ने साथ रहकर अर्जुन की मां पुष्पावेन, भाई करण, चाचा मनोजभाई और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की पूरी प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में बताया। अर्जुन की मां पुष्पावेन और उनके भाई करण ने कहा कि अर्जुन ब्रेन डेड है। उसकी मृत्यु निश्चित है। शरीर जलकर राख हो जाएगा। अंगदान से अगर अंग विफलता वाले मरीजों को आग नया जीवन मिले तो अंगदान के लिए आप आगे बढ़ें ऐसा ब्रेनडेड अर्जुन के परिजनों ने कहा। अप्रैल 2021 में बिजली का करंट लगाने से अर्जुन के पिता की दर्दनाक मौत हुई थी। परिवार में मां पुष्पावेन हैं जो पीपी सवानी स्कूल में क्लीनर का काम करती हैं। भाई

करण उम्र 22 सावन रोड, शेखपुर स्थित कपड़ा इकाई में पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत है और एक अन्य भाई सुनील उम्र 15 कठोर के बैंड गलियरी हाई स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ रहा है।

एक मुस्लिम युवा में हृदय प्रत्यारोपण किया गया—अंगदान के लिए परिवार से मार्ग को सूरत सिटी पुलिस के सहयोग से ग्रीन कार्रिडोर बनाया गया ताकि चार्टर्ड विमान से हृदय को अहमदाबाद पहुंचाया जा सके। सूरत से बायालीसवां दिल दान किया गया है। डोनेट लाइफ के जरिए सूरत ने अंगदान के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल की है। सूरत से दान किए गए दिलों को दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, इंदौर और अहमदाबाद जैसे देश के विभिन्न शहरों में प्रत्यारोपित किया गया है। इसके अलावा सूरत ने अंगदान के क्षेत्र में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग

गयी और सूरत के रहने वाले 46 वर्षीय व्यक्ति में दुसरी किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। सूरत के किरण अस्पताल में राजकोट निवासी 64 साल के वृद्ध में लिवर ट्रांसप्लांट किया गया।

दिल को चार्टर्ड प्लेन से भेजा गया था—सूरत के किरण अस्पताल से हवाई अड्डे तक के मार्ग को सूरत सिटी पुलिस के सहयोग से ग्रीन कार्रिडोर बनाया गया ताकि चार्टर्ड विमान से हृदय को अहमदाबाद पहुंचाया जा सके। सूरत से बायालीसवां दिल दान किया गया है। डोनेट लाइफ के जरिए सूरत ने अंगदान के क्षेत्र में स्पीत पटेल, अंकित पटेल, महेंद्र सिंहोहिल, रमेशभाई वाघासिया, जगदीशभाई दुंगरानी, क्रिटिक पटेल, किरण पटेल, दिव्यांग पटेल, कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोधानी, मुरलीधर मोरे, निहिर प्रजापति, रोहन सोलंकी और चिरण सोलंकी ने योगदान दिया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતના અર્જુન રાઠોડનું હૃદય સુરેન્દ્રનગરના યુવકમાં ધબકુશે

સુરત, તા. ૧૧

સુરત, કારોડના શ્રમજીવિય યુવકના હૃદય, બને કિડની અને લિવરના દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. રણ ટિવિયા અગાઉ મિન્ઝ સાથે બાઈક પર ઘરે આવતી વખતે નેદેલા અકસ્માત બાદ હોસ્પિટલમાં દાખલ યુવકને તબીબોને બ્રેઇન ડેડ ઘોષિત કરતા પરિવારે તેના અંગોનું દાન કરવાનો નિષેષ લઈ સમાજને ઉત્તમ દાખલો પુરો પાછ્યો છે.

સુરત, કારોડ ગામના નવું ફળિયાં રહેણો અર્જુન રાઠોડાઈ રાઠોડ (૩.૭.૧૯) સાથે રોડ, શેખપુર



હૃદય અને લિવરનું દાન કરવા રજી થયા હતા.

ગ્રેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિવેશ મંડલેવાલાને જીવાયું હતું કે, દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બને કિડનીનું ટ્રાન્સપલાન્ડ અનુકૂળ સુરતના ૪૦ વર્ષથી યુવકમાં અને ૪૫ વર્ષથી આપેદાં કરાયું છે. જ્યાંતે લિવર રાજકોટના ૬૪ વર્ષથી વૃદ્ધમાં સુરતની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું છે. અર્જુનના હૃદયનું પણ દાન સ્પિકરાયું હતું. જેની સાથે સુરતથી ૪૨માં હૃદયનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું ટ્રાન્સપલાન્ડ સુરેન્દ્રનગરના ૨૨ વર્ષથી મુદ્દસર નામના યુવકમાં કરાયું છે.

ઉત્તેજનિય છે કે, સુરત અને દાલિયા ગુજરાતમાંથી ગ્રેનેટ લાઈફ કુલ ૧૦૫૨ અંગો અને ટીસ્પ્યુનોનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે. એને ૪૪૨ કિડની, ૧૮૮ લિવર, ૮ પેન્ડીઓસ, ૪૨ હૃદય, ૨૨ ફેફસાં, ૪ લાધ અને ૭૪ રચ્યુનોના દાનથી કુલ ૮૪૫ વ્યક્તિયોને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટિ બનાવવામાં આવી છે.

કામરેજના કઠોર ગામનો અર્જુન રાઠોડ અકસ્માતમાં ધવાયા બાદ તબીબોએ અર્જુનને બ્રેઇનડેડજાહેર કર્યો હતો: હૃદય, કિડની, લિવરના દાનથી ૪૬૬૦ાંને નવજીવન આપ્યું

આતે ટેકાટાઈલ યુનિટથાં કામ કરતો હતો. ગત તા. ૪૩માં રાને અર્જુન તેના મિન્ઝ સાથે બાઈક પર પોતાના વહે આવી રહ્યો હતો. ત્યારે કઠોર ગામ આતે કન્યા આત્રાવયની સામે અનજ્ઞાયા વાહન ચાલક સાથે અકસ્માત

થતા અર્જુન નીચે પડી ગયો હતો. તેને ગંભીર ઈજાઓ થતા મગજની નસ માધ્યમાં ગંભીર ઈજા થતા બેનાન ફાસી ગઈ હોવાનું નિદાન થવું હતું. થઈ ગયો હતો પરિવારજનોને તેને ત્યારાદ ગુરુવારે તબીબોની ટીમે તાત્કાલિક સુરતની હોસ્પિટલમાં અર્જુનને બ્રેઇન ડેડ ઘોષિત કર્યો હતો. અસેડરોને હતો. જ્યાં સીટીસેન્ટ પરિવારને અગ્રદાન બાબતે સમજાતી સહિતની તપાસ બાદ મગજમાં અપાતા તેઓ અર્જુનની બને કિડની,

સુરતનાં કઠોર ગામનાં યુવકનું હૃદય સુરેન્દ્રનગરના મુસ્લિમ યુવકમાં ધબકુતું થયું

સુરત, તા. ૧૧

સુરતથી ૪૨માં હૃદયનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. સુરતના ૧૮ વર્ષથી યુવક બ્રેઇનડેડ જાહેર થયા બાદ તેના હૃદય, કિડની અને લિવરનું દાન કરીને ચાર વ્યક્તિયોને નવું જીવન આપવામાં આવ્યું છે. સુરતથી ૧૮ વર્ષના યુવકનું હૃદય ૬૦ મિનીટમાં ૨૭૩ કિગ્રીનું અંતર કાપી અમદાવાદમાં સુરેન્દ્રનગરના ૨૨ વર્ષથી મુસ્લિમ યુવકમાં ટ્રાન્સપલાન્ડ કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરત શહેર નજીક આવેલા કઠોરના નવું ફળિયું આતે રહેતો ૧૮ વર્ષથી અર્જુન રાઠોડાઈ રાઠોડ સાથે રોડ, શેખપુરમાં આવેલ ટેકાટાઈલ યુનિટમાં સુપરવાઈલ કામ કરતો હતો. મંગાવાર તા. ૮ નવેમ્બરના રોજ અર્જુન તેના મિન્ઝ સાથે બાઈક પર કઠોર પોતાના થયે આવી રહ્યો હતો. ત્યારે રાને ૬.૩૦ કલાકે કઠોર ગામ કન્યા આત્રાવયની સામે અનજ્ઞાયા વાહન ચાલક સાથે અકસ્માત થતા તે નીચે પડી ગયો હતો અને માથામાં ગંભીર ઈજા વચ્ચે તે બેભાન થઈ ગયો હતો. પરિવારજનોને તેને તાત્કાલિક સુરતની ડિરસ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોસર્જિશીપ ડો. ભૌમિક ડાકોરની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યો.



ગ્રેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પદોંચી કે. મેસૂલ ઈજાઓ હોવાને અર્જુનની નસ ફાસી ગઈ હોવાનું નિદાન થવું હતું. માન્ય ગાર્ડ કરાને કરાને માન્ય બાયું આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપલાન્ડ સુરતના રહેવાસી ૪૦ વર્ષથી વ્યક્તિયોને, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપલાન્ડ સુરતના રહેવાસી ૪૬ વર્ષથી વ્યક્તિયોને, લિવરનું ટ્રાન્સપલાન્ડ રાજકોટના રહેવાસી ૬૪ વર્ષથી વ્યક્તિયોને સુરતની ડિરસ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. હૃદયને ચાઈડ વિમાન મારકત અમદાવાદ હોસ્પિટલાં માટે સુરતની ડિરસ હોસ્પિટલ વી મેરોપર્ટ સુધીના માર્ગે સુરત શહેર પોલીસના સહકારથી શીન ઓર્ડરોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. સુરત અને દાલિયા ગુજરાત માંથી ગ્રેનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૫૨ અંગો અને ટીસ્પ્યુનોનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે. એનાં ૪૪૨ કિડની, ૧૮૮ લિવર, ૮ પેન્ડીઓસ, ૪૨ હૃદય, ૨૨ ફેફસાં, ૪ લાધ અને ૭૪ રચ્યુનોના દાનથી કુલ ૮૪૫ વ્યક્તિયોનેને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટિ બનાવવામાં આવી છે.

" જીતે જી રત્નદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

વધુ એક અંગદાન.. સુરતના 'અર્જુન'નું હદ્ય સુરેન્દ્રનગરના 'મુદ્દસર'માં ધબકશે

[સુરત]

સુરત, કઠોરના શ્રમજીવી યુવકના હદ્ય, બંને કિડની અને લિવરના દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. ત્રણ દિવસ અગાઉ મિત્ર સાથે બાઈક પર ઘરે આવતી વખતે નડેલા અક્સમાત બાદ હોસ્પિટલમાં દાખલ યુવકને તખીઓએ બેઈન ડેડ ઘોષિત કરતા પરિવારે તેના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય લઈ સમાજને ઊંઘ દાખલો પુરો પાડ્યો છે.

સુરત, કઠોર ગામના નવું ફળિયામાં રહેતો અર્જુન રાકેશભાઈ રાહોડ (૩.૨ ૧૮) સાયન રોડ, શેખપુર ખાતે ટેક્ષાઈલ યુનિટમાં કામ કરતો હતો. ગત તા. ૮મીએ રાત્રે અર્જુન તેના મિત્ર સાથે બાઈક પર પોતાના ઘરે આવી રહ્યો હતો. ત્યારે કઠોર ગામ ખાતે કન્યા છાત્રાલયની સામે અજ્ઞાણ્યા વાહન ચાલક સાથે અક્સમાત થતા અર્જુન નીચે પડી ગયો હતો. તેને માથામાં ગંભીર ઈજા થતા બેભાન થઈ ગયો હતો. પરિવારજનોએ તેને તાત્કાલિક સુરતની હોસ્પિટલમાં ખસેડ્યો હતો. જ્યાં સીટીસ્કેન સહિતની તપાસ બાદ મગજમાં ગંભીર ઈજાઓ થતા મગજની નસ ફાટી ગઈ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ ગુરુવારે તખીઓની ટીમે અર્જુનને બેઈન ડેડ ઘોષિત કર્યો હતો. પરિવારને અંગદાન બાબતે સમજણ અપાતા તેઓ અર્જુનની બંને કિડની, હદ્ય અને લિવરનું દાન કરવા રજી થયા હતા.

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જ્યાંયું હતું કે, દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અનુકૂમે સુરતના ૪૦ વર્ષીય યુવકમાં અને ૪૫ વર્ષીય આધેડમાં કરાયું છે.



જ્યારે લિવર રાજકોટના ૬૪ વર્ષીય વૃદ્ધમાં સુરતની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. અર્જુનના હદ્યનું પણ દાન સ્વિકારાયું હતું. જેની સાથે સુરતથી ૪૨ માં હદ્યનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલ હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરેન્દ્રનગરના રહેવાસી ૨૨ વર્ષીય મુદ્દસર નામના યુવકમાં કરાયું છે. ઉલ્લેખનીય છે કે, સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ

દાન કુલ ૧૦૫૨
અંગો અનો
ટીસ્યુઓનું દાન
કરાવવામાં આવ્યું
છે. જેમાં ૪૪૨
કિડની, ૧૮૮ લિવર,
૮ પેન્ડીઆસ, ૪૨
હદ્ય, ૨૬ ફેફસાં, ૪
હાથ અને ૩૪૨
ચક્કાઓના દાનથી
કુલ ૮૯૫
વ્યક્તિઓને નવું
જીવન અને નવી
દ્રષ્ટી બદ્ધવામાં
આવી છે.



ભાસ્કર વિશેષ | બે દિવસ પહેલાં અક્સમાત બાદ હોસ્પિટલમાં બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાયો હતો

કઠોરના બ્રેઇનડેસ હિન્દુ યુવકનું છદ્ય છવે મુસ્લિમ
યુવકમાં ધર્મભક્તિ, અંગદાનથી 4ને નવજીવન મળ્યું

भास्कर व्याख्या | सरेत

सुरतना कठोरमान रहेता युवकनु
ब्रह्मिनेह आहेर थेया बाबा तेना
अंगोनुं दान करातांने व्यक्तिने
नवजुळवन मध्या ले. मृतकुं हृदय
सुरेन्द्रनगरना सुरक्षांमा द्राघीपत्तानं
करयु छ. तीनेट वाईकुन्ठाज्ञानाचा
प्रभाषण अत्यार पुस्तीमां ४२ लोकोंने
करवदान कर्यु छ अनें बीजा ४२
लोकोंने नवजुळवन मध्ये ले.

કઠોર નવા ફળિયામાં રહેતો
અર્જુન રાકેશભાઈ રાહોડ (૩.૧ ૧૯)

ટેકાઈલમાં કામ કરતો હતો. ૩ દિવસ પહેલા અર્જુન તેના મિત્ર સાથે આવતો હતો ત્યારે વાહન ઉપરથી પડી જાત માથામાં ગંગીર ઈચ્છા થઈ હતી. તેને ડિરેક્શન ડોસ્ટિલમાં દાખલ કરતા તબીબોએ બેઠનોડે જોડેર કર્યો હતો. અર્જુનના માતા પુષ્પાબેન અને તેના ભાઈ કર્ણે જ્યાલાયુ કે શરીર બળીને રણ જ થઈ જાતાનું છે, ત્યારે અંગોના દાન થદી કોઈને નાનું જીવન મળ્યું હોય તો પ્રયાસ કરવા જોઈએ. અર્જુનના શરીરમાંથી રૂધ્ય, ડિકની અને લિંગરનું દાન કરાવ્યું હતું.

જેમાંથી રૂધ્યને સુરેન્દ્રમાં રહેતા ૨૨ વર્ષથી મુસ્લિમ યુવકુનું ટ્રાન્સલ્વાન્ટ કરાયું હતું. લદ્યાનું ટ્રાન્સલ્વાન્ટ સુરેન્દ્રનગરાના ૨૨ વર્ષથી મુસ્લિમ યુવકુનું અમદાવાદની સિસ્ક્રિપ્ટ લાસ્પીટલમાં હો. ધીરેન રાણ, હો. ઘઘલ નાયક અને તેમના ટીમે કર્યું છે. હોનેટ લાઇફ કુલ ૧૦૫૨ અંગ્રા અને કીલ્યુઓનું દાન મેળાયું છે જેમાં ૪૪૨ ડિકની, ૧૮૮ લિંગર, ૮ પેન્નીઆસ, ૪૨ ફટ્ય, ૨૬ ફેન્સાં, ૪ ઝાંખ અને ૩૪૨ ચંદુથી ૯૬૫ને નવજીવન મજા છે.



હોસ્પિટલની ટીમે અર્જુન અને તેના પરિવારને સલામી આપી હતી.

સુરતના યુવકનું કદય સુરેદ્રનગરના મુસ્લિમ યુવકમાં ધબકતું થયું

ડોનેટ લાઇફ ક્ષારા સુરતથી છરમાં હૃદયનું દાન : રાઠોડ હળપતિ સમાજના પરિવારે બેધન ડે અર્જુન રાક્ષણભાઈ રાઠોડ (ઉ. વ. ૧૮)ના હૃદય, કિડની અને લિવરનું દાન કરી ચાર બ્યક્ટિઓને નવજીવન બક્ષી,

धर्मकार प्रतिनिधि, सुरत, ता. ११
टेक्टोरील अनें डायमंड सीटी
तरीके ओगणपातु सुरत शहर उडे
देशमां ओर्गेन अनंत सीटी तरीके
प्यारी पापी रुकु के।

कठोर नव कणियामां रहेता
अनें सप्तपां रेह, शेषपुरमां टेक्टोरील
युनिटमां डाय करता अर्जुन
गुरुशमाई राहोड (३.७, १८) ब्रेठन
उ० थता परिवारे अर्जुना हुद्य,

किञ्चि अने लिवरनुं दान करी चार
प्रक्टितोने नवजनवन बक्षी,
मानवताना मेहेक देवावी समाजने
नवी दिवा बातो हती, ८ नवेम्बरे
अर्जुन तेवा मित्र साथे आइक रुकु
कठोर आवी रुकु हतो तापे राते
६:३० क्लार्क कोरोना कन्या
छानावलयी साथे अज्ञात्या वाहन
चालक साथे अक्समात थोके हतो.
अर्जुनने लेखन डालतामां सुरतीनी



કિરણ હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે દાખલ કરી નિધાન માટે સીરી સેન કરતાં મગજની નસ કાટી ગઈ હોવાનું નિધાન થયું હતું ૧૦ નવેમ્બરે અર્જુનાનું શેરાનું ડેઝલ કરાયો હતો. કિરણ હોસ્પિટલના મેડિકલ ગ્રાફેક્ટર ડૉ. મેહુલ પંચાલે તેણે લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિબેદન માંદલેવાળોને સંપર્ક કરી અર્જુનનું પ્રેછનદે અંગેની જ્ઞાનકારી આપત્તિ પ્રેનેટ લાઈફની અર્હનાના માત્રા પુષ્યાબેન, ભાઈ કિરણ, કાં

મનોજબાઈ તેમજ પારિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને તેનું મહત્વ સમજાવતા પરિવારે સંમતી આપી હતી.

પરિવારજનો તરફથી
અંગદાનની સંમતિ ભાગતા State
Organ and Tissue
Transplant Organization
(SOTTO)ને સુપ્રકૃત કરવામાં
આવ્યો હતો. SOTTO દ્વારા હૃદય
અમદાવાદની સિસ્ટમ હોસ્પિટલને,
કિંડની અને વિવિધ સુરતની ડિમ્બાણ
એસ્પ્લાબને કાણવાળામાં આવ્યા હતા.
અમદાવાદની સિસ્ટમ હોસ્પિટલના દ્વારા
કિંદરોર ગુમા, દો. વિપુલ આડીર, દો.
ચિંતા રેથ, ટ્રાન્સપલાન્ટ કોરોઈન્ટર
મુનીલ અગ્રવાલ, આકાશ અને તેમની
અણુ. પાણા છ પર

સુરતના ચુપકનું

टीमे आवा कृष्णनु शिन स्वामीकुरु
लिवर अने डिल्लीनु दाक डिरेक्ट
होस्पिटलना दे. वर्षाया धान्या, प्रै.रवि
मेहेन्दी, वे. व्यास चान्दा, दो.जयंत
शास्त्र, दो.कल्याण गोदिल, दो.जगन्नाथ
वर्षाया, प्रेमप्रसाद पठेख, दो.मुकुरा आदित,
प्रेमिनन्द क.जन्म, ड.विमल कर्णधर,
प्रेमांकण पत्तानाया अने तमनी टीमे
स्वीकार्य

प्रेषवल नाथ अने तमनी टीम द्वारा
द्वारा आयुर्वेद, धनांश मेषवलयां
आवेदनी एक डिल्लीनु ग्राम्यालयां
सुरतना रेखांस्त्री ४० वर्षाया व्यक्तिमान, बीच
डिल्लीनु ग्राम्यालयां सुरतना रेखांस्त्री ४५
वर्षाया व्यक्तिमान, लिपरु द्वारा आवायाट
राजकोटना रेखांस्त्री ४८ वर्षाया व्यक्तिमान
बुरतना इतिहा द्वारा आवाया आयुर्वेद
७. द्वारन्थ वाईट विमान मारकू

द्वानामा मेणववामां आवेद्य धृत्यनुं अमदावाह पलोचात्या माटे सुर
द्रव्यसापाट सुरेन्द्रनगराना रखेवासी २२ उक्ता लोक्यित्वा थे ऐपोर्ट बही-ा-
पर्षीय मुख्यमन्त्र पुकड़मां अमदावादानी सुरत शहरे पोलीसांगा साक्षात्कार्या
सिंभ छिप्पत्वमा डे. खीरेन शाह, ग्रीष्मित्र भनाववामां आयों थाएं।

ପ୍ରେସବ ନାୟକ ଅନେ ତମନୀ ଶ୍ରୀ ଲକ୍ଷ୍ମୀ କର୍ତ୍ତରଙ୍ଗେ ଆୟୁଷ୍ମ ଛି, ଧାନୀମେ ପ୍ରେସବପାଦୀ ଆଜୀବି ଏହି ଉତ୍ସନ୍ନ ବ୍ୟାକାଳାବାଦ ମୁଦ୍ରାରେ ରେଖାସ୍ତରୀ । ୪୦ ପର୍ଯ୍ୟେ ବ୍ୟକ୍ତିମାନ, ଲିଖିତ ଉତ୍ସନ୍ନ ବ୍ୟାକାଳାବାଦ ମୁଦ୍ରାରେ ରେଖାସ୍ତରୀ । ୫୫ ପର୍ଯ୍ୟେ ବ୍ୟକ୍ତିମାନ, ବିପରୀତ ଦ୍ୱାରା ଆବଶ୍ୟକ ରାଜକୋଡ଼ାରୀ ରେଖାସ୍ତରୀ ଦ୍ୱାରା ପର୍ଯ୍ୟେ ବ୍ୟକ୍ତିମାନ ମୁଦ୍ରାରେ ରେଖାସ୍ତରୀ ଆବଶ୍ୟକ ରାଜକୋଡ଼ାରୀ ରେଖାସ୍ତରୀ । ହାଥରେ ଚାର୍କଟ ବିମା ମାର୍କେଟ ଅନ୍ଧାରା ପରେବିତା ମାତ୍ର ମୁଦ୍ରାରେ ରେଖାସ୍ତରୀ ଉତ୍ସନ୍ନ ବ୍ୟାକାଳାବାଦ ମୁଦ୍ରାରେ ରେଖାସ୍ତରୀ ଏହି ଏହିପରେ ମୁଖ୍ୟମ ମାର୍କେଟ

સુરત શહેર પોલીસના સહકારથી ગ્રીન
કારીડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો.

¹ See also the discussion of the relationship between the two concepts in the introduction to this volume.

સુરતથી ઝોણે વાઈક દારા
નેતાજીએસમાં હૃદયનું દાન કરવયાપા
આચ્છાદે સુરત પેંડાલ વિલ્ફાન્ડ માનવદ્યા
રાશુપુ અને અંતરાશ્રીય સતરે
અનેધાનના બેનામ મહદ્વનું સ્થાન મેળખું
છે.

અંગદન કરવયાના સમગ્ર પ્રક્રિયા
પેંડાલ વિલ્ફાન્ડ સ્પેક્ટ-પ્રમુખ નિવેદા
માંદેવાલાના માર્ગદર્શન ડેણ કાંઈ
આવી હતી, તેણે માં અખૂદના માત્રા
પુષ્પાંજન, વાર્ધ કરાય, અનુભ, સંજ્ય,
કડક માનાજભાર, બેન મનીયાંન,
બનવી પરેશભાઈ, પરિવારાન અન્ય
મન્યો, ન્યુરોસર્જન તે.બોની
ટે.બીલાન ધ્રા, ન્યુરોલોઝિસિસ
કાળ, ટ્રેનિંગલાઇન્સ આપે. જ
ને.પે. દ્રાન નિવેદા, મેન્ડાઇક
ટે.મેન્ડુલ પંથા, લેન્સ-એન્ડ-
ટે.અલ્બા પેટેલ, આસ્પરાન્ડ
ક્રોનોટૈનિન્ટર સંજ્ય ટાં
ઓસ્ટ્રોલિના સંચાલકો અને
વાઈકન મંદી રાંદે જૈન.
દેસાયા કૃષ્ણ અને ??? નિદરણ
જીનાં થીલા, કરા પેટેલ,
અંડિત પેટેલ,
મંદ્રન્દીસિંહ ગોલિ,

Journal of Health Politics, Policy and Law, Vol. 35, No. 4, December 2010
DOI 10.1215/03616878-35-4 © 2010 by The University of Chicago

वायसीया, ज्यादातर उंगलियां निकट पटेल, तिरुपटेल, हिंदूपटेल, प्राचीपटेल आदि समूहपटेल, मुख्यपटेल, वरपटेलर इत्यादि अन्य विभिन्न सोलींगी सहजपटेल आदि गुजराती माझी थे।
कुट अने दक्षिण गुजराती माझी
पेन्ट वाईच दारा कुस १०पर अंगो अने
टीसमुन्हेनु घन घ्रावपामा आचुंहे जेंगा
४४२ डिस्ट्री, १८८ विलेट पटेन्नी-आम्बाळा
२०६६, २८ दिस्ट्री, ४८५ अने ३८३२
बायुमाना दारा कुस १०पर अंगो अने
नवपृष्ठन अने नवी राढी बक्षपामा
सफलता माझी थे



સુરતના યુવાનનું હદ્ય સુરેન્દ્રનગરના મુસ્લિમ યુવકમાં ધબકૃતું કરાયું

(પ્રાતાનિધિદાર)

સુરત શુક્રવાર
કુમારેજ ખાતે માર્ગ અકસ્માતાં ઈજા થયા
બાદ બ્રેઇન ડેડ જાહેર થયેલા યુવાનનું હદ્ય,
કિડની અને લીવરનું દાન કરીને ચાર વ્યક્તિને
નવ જીવન આપીને તેમના પરિવારે સમાજને
નવી દિશા બતાવીને માનવતા મહેકાવી છે.
કુમારેજમાં કઠેરમાં નવું ફણિયામાં રહેતો ૧૮
વર્ષીય અર્જુન રાઠેશ રાઠેશ સાયજા રોડ ટેક્સટાઈલ
યુનિટમાં કામ કરતો હતો. તા. ૮ મીએ તે મિત્ર
સાથે બાઈક કઠેરથી ઘરે આવવા નીકળ્યો તે
સમયે કઠેરગામ કન્યા શાળા પાસે ભાઈને
અણાયાવાહને

ટક્કર મારી
હતી. જેમાં
અર્જુને જાંબીર
ઈજા થતા
સારવાર માટે
કતારગામની
ખાન ગ્રે
છોસ્પિટલમાં
દાખલ કર્યો
હતો. તેમની
મગજની નસ
ફાટી ગયાનું
નિદાન થયા
બાદ બ્રેઇનડેડ
જાહેર કરાયો
હતો. તેનેટ
લાઈફની ટીમ
અર્જુન નના
પરિવારજનોને
અંગદ નાન
અંગેનું મહત્વ
સમજી વતા
તેઓ સમત
થયા હતા.
દાન મળેલું
હુદય થ
સુરેન્દ્રનગરમાં
રહેતો ૨૨

વર્ષીય મુસ્લિમ યુવકમાં અમદાવાદની
છોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપલાન્ટ કર્યું હતુ. સુરતથી
અમદાવાદની છોસ્પિટલનું ૨૭૩ ક્રિ. મીનું અંતર
૮૦ મીનીટમાં કાપોને હદ્ય પહોંચાયું હતુ.



દાનમાં મળેલી એક
કિડની સુરતમાં
રહેતા ૪૦ વર્ષીય
યુવાન અને બીજી
કિડની સુરતમાં
રહેતા ૪૬ વર્ષીય
આધેઉમાં તથા

રાજકોટમાં રહેતા ૬૪ વર્ષીય વૃધ્યમાં લિવરનું
ટ્રાન્સપલાન્ટ કતારગામની છોસ્પિટલમાં કર્યું હતુ.

અર્જુનના પિતાનું વર્ષ ૨૦૨૧માં કર્યા લાગતા

**કામરેજના કઠોર ગામના ૧૬
વર્ષીય અર્જુન રાઠેશના હદ્ય,
કિડની અને લિવરનું દાન કરાતા
ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું**

અવસાન થયું હતુ. માતા પુષ્પબેન સુલમાં સજાઈ
કામ કરે છે. ભાઈ કરણ (૩૨૨) ટેક્સ્ટાઈલ
યુનિટમાં સુપરવાઈઝર છે.



અંગદાન ક્ષેત્રે સુરત શહેર આંતરરાષ્ટ્રીય લેવલે જાણીતું થઈ રહ્યું છે **સુરતથી ધબકૃતું હદ્ય ૮૦ મિનિટમાં અમદાવાદમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું !**

૧૮ વર્ષીય બ્રેઇનડેડ યુવકના હદ્ય, કિડની અને લિવરના દાન થકી ચાર દિને નવજીવન

(સંવાદદાતા દ્વારા)

અમદાવાદ, તા. ૧૧

સુરત નજીક આવેલા કઠોરના નવું ફળિયું ખાતે રહેતો અર્જુન, સાયન રોડ, શેખપુરમા આવેલ ટેક્સટાઈલ યુનિટમાં કામ કરતો હતો. મંગળવાર તા. ૮ નવેમ્બરના રોજ અર્જુન તેના મિત્ર સાથે બાઈક પર કઠોર પોતાના ઘરે આવી રહ્યો હતો. ત્યારે રાત્રે ૮.૩૦ કલાકે કઠોર ગામ કન્યા છાગાલયની સામે અજ્ઞાયા વાહન ચાલક સાથે અક્ષમાત થતા તે નીચે પડી ગયો હતો અને માથામાં ગંભીર ઈજા થવાથી તે બેભાન થઈ ગયો હતો. પરિવારજનોએ તેને તાત્કાલિક સુરતની હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે દાખલ કર્યો. નિદાન માટે સીટી સેન કરાવતા મગજમાં

ગંભીર ઈજાઓ હોવાને કારણે મગજની નસ ફાટી ગઈ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ડૉ. મેહુલ પંચાલ સાથે રહી અર્જુનના માતા પુષ્પાબેન, ભાઈ કરણ, કાકા મનોજભાઈ તે મજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને તેનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. તેના પરિવારમાં માતા પુષ્પાબેન ભાઈ કરણ (૩.૧.૨૨) અને બીજો ભાઈ સુનિલ (૩.૧.૧૫) એમ ત્રણ જી છે.

પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા SOTTOનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. SOTTO દ્વારા હદ્ય અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલને, કિડની અને લિવર સુરતની કિરણ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં

આવ્યા. અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલની ટીમે આવી હદ્યનું દાન સ્વીકાર્યું દાનમાં મેળવવામાં આવેલ હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરેન્નગરના રહેવાસી ૨૨ વર્ષીય મુસ્લિમ યુવકમાં અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૪૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૪૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ રાજકોટના રહેવાસી ૬૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. હદ્યને ચાર્ટર્ડ વિમાન મારફત અમદાવાદ

પછોં ચાર્વા માટે સુરતની કિરણ હોસ્પિટલ થી ઐર્પોર્ટ સૂધીના માર્ગને સુરત શહેર પોલીસના સહકારથી ચીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. સુરતથી બેતાળીસ મિનિટમાં હદ્યનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે. સુરતે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી રાષ્ટ્રીય અને આંતરરાષ્ટ્રીય સ્તરે અંગદાનના કોગમાં મહત્વનું સ્થાન મેળવ્યું છે. સુરતથી દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હદ્ય દેશના જુદા જુદા શહેરો જેવા કે દિલ્હી, મુંબઈ, ચેનાઈ, ઈન્દોર અને અમદાવાદ જેવા શહેરોમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે. તદ્વિપરાંત અંગદાનના કોગમાં સુરતે આંતરરાષ્ટ્રીય સ્તરે પણ પોતાની અલગ ઓળખ ઉભી કરી છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 11TH NOVEMBER, 2022



**442
KIDNEY**



**188
LIVER**



**42
HEART**



**26
LUNGS**



**08
PANCREAS**



**342
CORNEA**



**04
HANDS**

TOTAL 1052 ORGANS & TISSUES DONATED,

**which has given New Life & Vision to 965 persons
across Country & Globe.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."